PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD, SURAT

वर्ष : 02
अंक : 154
दि. 03.10.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री मोदी के न्योते पर भारत आएंगे स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन, पांच अक्टूबर से तीन दिवसीय दौरा

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन 5 से 7 अक्टूबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे, जहां वे पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय सहयोग और टीईपीए (TEPA) समझौते की समीक्षा करेंगे।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन 5 से 7 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। इस वर्ष यह उनका दूसरा भारत दौरा है। इस यात्रा के दौरान व्यापार, टेक्नोलॉजी और निवेश समेत कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत होगी।

एक साल में दूसरी बार भारत आ रहे राष्ट्रपति पार्मेलिन

विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पार्मेलिन की यह भारत की पहली राजकीय यात्रा होगी और इस साल उनका दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले वह फरवरी 2026 में नई दिल्ली में हुए एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे।

पीएम मोदी ने दिया था निमंत्रण

इस यात्रा के दौरान उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों और कारोबारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इस यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने निमंत्रण दिया था।मंत्रालय ने बताया कि भारत के राष्ट्रपति की स्विट्जरलैंड की आखिरी राजकीय यात्रा 2019 में हुई थी। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा की थी और इसके बाद 2018 में भी वहां गए थे।

भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग की प्रगति की होगी समीक्षा

मंत्रालय ने बताया कि पांच अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पार्मेलिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। दोनों नेता कई क्षेत्रों में भारत-स्विट्जरलैंड सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इनमें व्यापार, निवेश, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गतिशीलता और संस्कृति और जनसंपर्क जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

राज्यपाल और सीएम ने महात्मा गांधी-लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन,बापू वाटिका पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मिलेंगे स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति

मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक

घटनाक्रमों पर भी विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग को लेकर भी चर्चा होगी। राष्ट्रपति पार्मेलिन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मु उनके सम्मान में एक आधिकारिक भोज का आयोजन भी करेंगी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति पार्मेलिन से मुलाकात करेंगे।

क्यों खास है स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति का दौरा

मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पार्मेलिन का यह दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि वह सात अक्टूबर 2026 को दूसरे इंडिया-ईएफटीए प्रॉस्पेरिटी समिट में हिस्सा लेंगे। इस समिट का आयोजन भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के लागू होने की पहली सालगिरह के मौके पर किया जा रहा है। ईएफटीए देशों में स्विट्जरलैंड भारत का सबसे बड़ा व्यापार और निवेश साझेदार है।

दौरे से ये उम्मीद

मंत्रालय ने बताया कि भारत और स्विट्जरलैंड के बीच लंबे समय से दोस्ताना रिश्ते रहे हैं। राष्ट्रपति पार्मेलिन की इस यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करने और आपसी हित के नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की उम्मीद है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत को भी आगे बढ़ाएगी।

'जनता का पैसा लूटने वालों की जेबें खाली हुईं', विपक्ष पर सीएम योगी का पलटवार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के पैसे पर डकैती डालने वालों की जेबें खाली कराईं और गरीब का पैसा सीधे उसके खाते तक पहुंचाया.

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जनधन खाते खोले जा रहे थे तो विपक्ष खिल्ली उड़ाता था कि खाली खाते खोलकर क्या होगा. आज पता चल गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के पैसे पर डकैती डालने वालों की जेबें खाली कराईं और गरीब का पैसा सीधे उसके खाते तक पहुंचाया. जिनकी जेबों तक जनता का पैसा पहुंचता था, उन्हें बुरा लगना और विरोध करना स्वाभाविक है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकभवन सभागार में सेवा संकल्प अभियान के तहत 'नमो सेवा अनकही कहानियां' पर आधारित नाट्य श्रृंखला मंचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से चल रहे सेवा संकल्प अभियान के क्रम में संस्कृति विभाग के तहत भारतेंदु नाट्य अकादमी के कलाकारों ने प्रस्तुति दी.

बिना रुके, बिना डिगे और बिना झुके 25 वर्ष

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात अक्टूबर को गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूरे करेंगे. यह बिना रुके, बिना डिगे और बिना झुके सेवा की यात्रा है. इसमें विरासत और विकास के समन्वय के साथ बिना भेदभाव योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाया गया.

उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने ऐसे समय गुजरात की जिम्मेदारी संभाली, जब राज्य भूकंप की त्रासदी से जूझ रहा था. इसके बाद दंगों की चुनौती भी आई. इन परिस्थितियों के बीच गुजरात तेजी से उभरते राज्य और विकास के मॉडल के रूप में सामने आया.

यूपीए सरकार के दस वर्षों पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के भ्रष्टाचार, अराजकता और अकर्मण्यता से देश में अविश्वास था.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई खेलों में महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने पर अंकिता भक्त, कुमकुम अनिल मोहोड और कीर्ति को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई खेलों में महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक जीतने पर अंकिता भक्त, कुमकुम अनिल मोहोड और कीर्ति को बधाई दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कड़े मुकाबले वाले फाइनल में उनका संयम और सटीक निशाना असाधारण था। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक जीत देशभर के अनगिनत युवा तीरंदाजों को प्रेरित करेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को अपने इन चैंपियनों पर गर्व है और उन्होंने अंकिता भक्त, कुमकुम अनिल मोहोड तथा कीर्ति को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

गांधी जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी, छात्रों से बातचीत की

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गांधी स्मृति में सर्व-धर्म प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया और उन स्वूली छात्रों से बातचीत की जिन्होंने 'रघुपति राघव राजा राम' भजन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यव्रम में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधावृष्णन ने भी हिस्सा लिया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''गांधी स्मृति में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुआ। हमने बापू के कालजयी संदेश को याद किया। कार्यव्रम का एक प्रमुख आकर्षण अपने युवा मित्रों से बातचीत करना रहा।''

प्रार्थना सभा के बाद प्रधानमंत्री ने उन स्वूली बच्चों से बातचीत की, जिन्होंने वाद्य यंत्रों के साथ भजन प्रस्तुत किया। उन्होंने वुछ छात्रों से हाथ मिलाया और अन्य को आशीर्वाद दिया। बच्चे प्रधानमंत्री से उत्साहपूर्वक बातचीत करते और उनके सभी सवालों के जवाब देते नजर आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यव्रम में भाग लेते हुए।

पवार ने सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा शुरू किया, राहत के लिए सरकार पर दबाव बनाने का दिया आश्वासन

(जीएनएस)।

पुणे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटा (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने शुव्रवार को महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित इलाकों का दौरा शुरू किया और किसानों को फसल नुकसान तथा पानी की गंभीर कमी से जुड़ी उनकी समस्याएं राज्य सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया।

पूर्व वेंद्रीय वृषि मंत्री ने पुणे जिले की पुरंदर तहसील में ग्रामीणों से मुलाकात कर फसल नुकसान और जल संकट का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वह किसानों की समस्याओं को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष उठाएंगे और ठोस राहत उपायों की मांग करेंगे। पवार ने इस सप्ताह की शुरूआत में फडणवीस को पत्र लिखकर कहा था कि राज्य सरकार ने महाराष्ट्र की 358 तहसीलों में से 265 में सूखा घोषित किया है, लेकिन कई अन्य क्षेत्रों में भी गंभीर जल संकट और फसलों से हुए नुकसान की स्थिति है। उन्होंने शेष पात्र तहसीलों को भी सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग की थी।

किसानों से बातचीत में पवार ने कहा, किसानों के सामने एक ही सवाल है अगर बारिश नहीं हुई तो वे क्या करेंगे? मौजूदा फसल को बचाना जरूरी है और किसानों तक तत्काल राहत पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुरंदर उन क्षेत्रों में शामिल है जहां सूखे की स्थिति गंभीर है और राहत उपाय तय करते समय सरकार को जमीनी स्थिति को ध्यान में रखना चाहिए। पवार ने बताया कि उन्होंने फडणवीस से इस मुद्दे पर चर्चा की है और वृषि तथा संबद्ध गतिविधियों के लिए सहकारी, राष्ट्रीयवृत और शहरी सहकारी बैंकों तथा त्रण समितियों से लिए गए कर्ज को 100 प्रतिशत माफ करने समेत कई मांगें रखी हैं। उन्होंने रोजगार गारंटी योजना के नियमों में ढील देने, पीने के पानी और पशुओं के लिए टैंकर उपलब्ध कराने तथा सूखा प्रभावित इलाकों में बिल का भुगतान नहीं होने पर किसानों की बिजली आपरूति नहीं काटने की भी मांग की है।

पवार ने किसानों से कहा कि सरकार उनकी समस्याओं से सीधे अवगत हो सकती है और वह स्वयं सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर उनकी दिक्कतें समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर समाधान के लिए चर्चा करेंगे। पवार के दौरे में पुणे जिले के बारामती, पुरंदर और दौंड समेत अन्य सूखा प्रभावित क्षेत्र शामिल हैं।

परगट सिह कांग्रेस की पंजाब इकाई ने नए अध्यक्ष नियुत्त

नई दिल्ली, कांग्रेस ने शुव्रवार को पूर्व ओलंपियन एवं पाटा विधायक परगट सिह को पंजाब इकाई का नया अध्यक्ष नियुत्त किया। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने परगट सिह को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष तत्काल प्रभाव से नियुत्त किया। पाटा ने निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिदर सिह राजा वडिग के योगदान की सराहना की। वेणुगोपाल के अनुसार, पंजाब में चुनाव संबंधी विभिन्न समितियों के कार्यकारी अध्यक्षों तथा अध्यक्षों और सह-अध्यक्षों की नियुत्तियां यथावत रहेंगी। परगट सिह जालंधर छावनी से विधायक हैं।

वह भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रह चुके हैं, और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्हें अध्यक्ष नियत्त किए जाने से वुछ घंटे पहले वडिग ने राहुल गांधी से मुलाकात कर प्रदेश अध्यक्ष पद अपना त्यागपत्र औपचारिक रूप से सौंपा था।

सार्वजनिक स्थानों को पूरी तरह धूम्रपान-मुक्त बनाना जरूरी, 2023 में हुई 3.25 लाख मौतेंः विशेषज्ञ

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में सार्वजनिक स्थानों को 100 प्रतिशत धूम्रपान-मुत्त बनाने की मांग की ताकि लाखों लोगों को धूम्रपान की जद में आने से बचाया जा सके। उन्होंने देश में धूम्रपान करने वाले लोगों के आस-पास होने के कारण सांस के जरिये धुआं शरीर में जाने से 2023 में अनुमानित 3.25 लाख मौतों का हवाला देते हुए कहा कि जो लोग धूम्रपान नहीं करते, उन्हें भी तंबावू के धुएं के संपर्व में आने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

नीति आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. वी. के. पॉल ने कहा कि भारत ने इस दिशा में प्रगति की है लेकिन समस्या का स्तर अब भी काफी बड़ा है। पॉल ने 'द लांसेट' पब्लिक हेल्थ में हाल में प्रकाशित 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज'

अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि 1990 के बाद से भारत की आबादी में धूम्रपान के संपर्व में आने वाले लोगों का अनुपात काफी कम हुआ है लेकिन आबादी बढ़ने के कारण इससे जुड़ा खतरा अब भी अधिक है। पॉल ने कहा, ''लोग अब भी धूम्रपान के संपर्व में आ रहे हैं। 'द लांसेट' के अध्ययन के अनुसार, 1990 में भारत की 43 प्रतिशत आबादी धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्व में थी हालांकि अब यह आंकड़ा घटकर 31 प्रतिशत रह गया है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आबादी बढ़ने के कारण समस्या अब भी बहुत बड़ी है। दुनियाभर में धूम्रपान के संपर्व के कारण 17 लाख मौतें हो रही हैं।

भारत में 3.25 लाख से अधिक मौतों के लिए धूम्रपान के संपर्व को जिम्मेदार माना जाता है।'' पॉल ने कहा कि भारत को सार्वजनिक स्थानों को 100 प्रतिशत धूम्रपान-मुत्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। विशेषज्ञों ने यह बात 'टोबैको फ्री इंडिया' द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कही। तंबावू-मुत्त भारत की दिशा में काम करने वाली इस पहल का उद्देश्य धूम्रपान के संपर्व से बचाव को मजबूत करना था। दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इस वेबिनार के साथ भारत में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान-मुत्त नियम लागू होने के 18 वर्ष भी पूरे हुए। वेबिनार का संचालन मुकेश केजरीवाल ने किया।

'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) अध्ययन के अनुमान के अनुसार, भारत में 2023 में धूम्रपान के संपर्व में आने के कारण 3,25,600 मौतें हुईं जबकि 1990 में यह आंकड़ा 2,17,700 था। भारतीय आयरुविज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक और टूबरवुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. वी. एम. कटोच ने कहा कि धूम्रपान के संपर्व में आने के खतरों से जुड़े प्रमाण स्पष्ट रूप से स्थापित हैं और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा के लिए अधिक कड़े उपाय किए जाने चाहिए। डॉ. कटोच ने कहा, ''धूम्रपान के संपर्व में आना भी बेहद खतरनाक है।

कई अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि इसका व्यापक असर पड़ता है। लोग सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों और यहां तक कि अपने घरों में भी इसके संपर्व में आते हैं।'' उन्होंने कहा कि तंबावू के धुएं के संपर्व में आने से श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है और समय के साथ शरीर के विभिन्न अंग प्रभावित हो सकते हैं। विशेषज्ञ ने कहा, ''जो लोग धुएं के संपर्व में आते हैं, उन पर भी इसके समान हानिकारक प्रभाव पड़ते हैं।

कांग्रेस ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के साहस एवं त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की सराहना की कहा उनकी बहादुरी और दृढ़ कार्रवाई हमेशा प्रेरणादायक रहेगी

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, कांग्रेस ने फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट वैप्टन स्मित मच्छार के साहस एवं त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की सराहना करते हुए शुव्रवार को कहा कि उनकी बहादुरी और दृढ़ कार्रवाई हमेशा प्रेरणादायक रहेगी।

पाटा महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''वैप्टन स्मित मच्छर का साहस, त्वरित सूझबूझ और दृढ़तापूर्ण कार्रवाई सदैव प्रेरणादायी बनी रहेगी। उन्होंने जो किया, उससे पूरा देश विस्मय और गर्व से अभिभूत है। इससे एक दिन पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी मच्छार, विमान के चालक दल और हमले के दौरान साहस तथा सूझबूझ दिखाने वाले अन्य लोगों की सराहना की थी।

खरगे ने 'एक्स' पर कहा था, ''मैं भारतीय वैप्टन स्मित मच्छार, चालक दल और उन सभी लोगों को सलाम करता हूं जिन्होंने असाधारण साहस और सूझबूझ का परिचय दिया और बहुमूल्य जानें बचाने में मदद की।'' उन्होंने घायल पायलट के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना भी की थी। यह घटना 30 सितंबर को फ्लाईदुबई के दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में हुई। खबरों के अनुसार, सह-पायलट ने कॉकपिट में वैप्टन मच्छार पर हमला किया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता पाई, जिसके बाद चालक दल और यात्रियों ने हमलावर को काबू करने में मदद की।

सम्पादकीय

ज्ञानेश कुमार को चेतावनी

ज्ञानेश कुमार का सुरक्षा कवच? वोट चोरी के आरोपों को दोहराते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को चेतावनी दी और सुझाव भी दिया। विपक्ष के नेता ने जनता के जनादेश की चोरी का आरोप लगाते हुए कहा, वो समय भी आएगा, हम आपको पकड़ लेंगे। इसके बाद उन्होंने सलाह दी कि वोटर लिस्ट में कथित हेरफेर के मामले में सरकारी गवाह बन जाएं। याद है कि राहुल ने सबसे पहले पिछले साल लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग को यह चेतावनी दी थी। नौ महीने बाद, द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में चुनाव आयोग के अंदर मतभेद का खुलासा होने के बाद अपनी बात सही साबित होने का दावा करते हुए, विपक्ष ने साफ तौर पर ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग की है। दूसरी तरफ भाजपा बचाव कर रही है तो वहीं विपक्ष गिरफ्तारी पर अड़ा हुआ है। लेकिन गिरफ्तारी की मांग पर एक प्रावधान टकरा रहा है और यह है कि दिसम्बर 2023 में संसद से पास कानून की धारा 16। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक नई याचिका में कहा गया है कि इस प्रावधान में एक शर्त भी है। यह विवाद 23 सितम्बर को तब शुरू हुआ जब अखबार की रिपोर्ट में कहा गया कि ज्ञानेश कुमार के दो साथी कमिश्नरों सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार और एक ही दिन में चार बार लिखित रूप में अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थीं। ये आपत्तियां चुनावी रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) जैसे मुद्दों पर थीं। राहुल गांधी के अलावा सपा नेता अखिलेश यादव, आप के नेता अरविंद केजरीवाल और टीएमसी नेता ममता बनर्जी जिन्होंने भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए वोटर लिस्ट में हेरफेर का आरोप लगाया है। कॉकरोच जनता पाटा भी इस मुहिम में शामिल हो गई है। विपक्ष का कहना है कि कई राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया के तहत अब तक 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए जा चुके हैं, जो भारत के कुल वोटरों का लगभग 13 प्रतिशत है। अब बात करते हैं ज्ञानेश कुमार को बचाने वाली कानूनी दीवार की।

कानूनी भाषा को हटाकर देखें तो चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर कमिश्नरी एक्ट, 2023 की धारा 16 कहती है कि कोई भी अदालत मौजूदा या पूर्व सीईसी या इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ उनके सरकारी काम के दौरान किए गए किसी भी काम के लिए सिविल या क्रिमिनल कोर्ट की सुनवाई नहीं कर सकती। इसमें लिखा है, फिलहाल लागू किसी भी दूसरे कानून में कुछ भी लिखा होने के बावजूद कोई भी अदालत किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कोई सिविल या क्रिमिनल कोई शुरू या जारी नहीं रखेगी जो चीफ इलेक्शन कमिश्नर या इलेक्शन कमिश्नर है या रहा है, अगर उसने अपने सरकारी काम या जिम्मेदारी को निभाते हुए कोई काम किया हो, कोई चीज की हो या कोई बात कही हो।

यह सुरक्षा उस कानून का हिस्सा थी जिसके तहत कमिश्नरों को चुनने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। 2023 से पहले, चुनने की कोई खास प्रक्रिया नहीं थी क्योंकि कोई कानून नहीं बनाया था। इसलिए राष्ट्रपति सरकार की सलाह पर नियुक्तियां करते थे जिसमें न्यायपालिका या विपक्ष की कोई भूमिका नहीं होती थी। क्या सिस्टम में कोई कमी है? हालांकि यह छूट सिर्फ ड्यूटी के दौरान किए गए कामों पर ही लागू होती है। वकील शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि वोटर लिस्ट में कोई भी हेर-फेर करना कमिश्नर के काम का हिस्सा नहीं है। याचिका में कहा गया है कि चीफ इलेक्शन कमिश्नर को आपराधिक मुकदमों से कोई छूट नहीं मिलती है। इसमें मांग की गई है कि ज्ञानेश कुमार की जांच हो और उन पर किसी भी दूसरे आरोपी की तरह मुकदमा चलाया जाए। इसमें रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट 1950 की धारा 32 और रिकार्ड में हेर-फेर से जुड़े भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाने की मांग की गई है। याचिका में यह भी बताया गया है कि संविधान सिर्फ राष्ट्रपति और राज्यपालों को ही पूरी छूट देता है। अब देखना यह है कि पूरे प्रकरण में माननीय सुप्रीम कोर्ट क्या रुख अपनाता है?

महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर, खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों पर छूट की शुरूआत

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन श्री मनोज गोयल ने खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों पर देश भर में छूट की शुरूआत की।

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' और 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान में नई ऊर्जा भरते हुए, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के चेयरमैन श्री मनोज गोयल ने ग्रामोद्योग भवन और ग्राम शिल्प एम्पोरियम में खादी उत्पाद खरीदे और देश भर में विशेष छूट वाली सेल शुरू की। इस मौके पर उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग के उत्पाद खरीदे और वदक के जरिए डिजिटल पेमेंट किया। गांधी जयंती पर कनॉट प्लेस स्थित शोरूम में कई गणमान्य लोगों ने खरीदारी की। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए

KVIC के चेयरमैन श्री मनोज गोयल ने कहा कि KVIC प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' के आह्वान को आम लोगों और ग्रासरूट तक पहुँचाने के लिए लगातार कोशिशें कर रहा है। KVIC के चेयरमैन ने बताया कि गांधी जयंती के मौके पर देश भर में, जिसमें नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन भी शामिल है, एक खास डिस्काउंट कैंपेन शुरू किया गया है। यह डिस्काउंट 2 अक्टूबर से 16 नवंबर, 2026 तक मिलेगा। इस दौरान खादी के उत्पादों पर 20 प्रतिशत तक और ग्रामीण उद्योग के उत्पादों पर 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। उन्होंने फिर से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी ने एक नया आयाम हासिल किया है। आज खादी 'आत्मनिर्भर भारत', 'वोकल फॉर लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'विकसित भारत-2047' के संकल्पों को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ. एक पहनावा नहीं है, बल्कि करोड़ों कारीगरों और बुनकरों की आजीविका, भारत की सांस्कृतिक विरासत और टिकाऊ विकास का प्रतीक है।

KVIC के चेयरमैन ने बताया कि गांधी जयंती के मौके पर देश भर में, जिसमें नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन भी शामिल है, एक खास डिस्काउंट कैंपेन शुरू किया गया है। यह डिस्काउंट 2 अक्टूबर से 16 नवंबर, 2026 तक मिलेगा। इस दौरान खादी के उत्पादों पर 20 प्रतिशत तक और ग्रामीण उद्योग के उत्पादों पर 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। उन्होंने फिर से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी ने एक नया आयाम हासिल किया है। आज खादी 'आत्मनिर्भर भारत', 'वोकल फॉर लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'विकसित भारत-2047' के संकल्पों को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ. एक पहनावा नहीं है, बल्कि करोड़ों कारीगरों और बुनकरों की आजीविका, भारत की सांस्कृतिक विरासत और टिकाऊ विकास का प्रतीक है।

भारत ने अंतरिक्ष में मिसाइल से मार गिराया था सैटेलाइट, यूएस में खलबली, पूर्व अमेरिकी अफसर का खुलासा

साल 2019 में भारत ने एंटी-सैटेलाइट (ASAT) टेस्ट को सफलतापूर्वक किया था। सात साल बाद अमेरिका के इंटेलिजेंस अधिकारी ने याद किया है कि कैसे इसने वॉशिंगटन को हैरान किया था।

वॉशिंगटन: भारत ने साल 2019 में 'मिशन शक्ति' नाम से एंटी-सैटेलाइट (ASAT) मिसाइल टेस्ट करके दुनिया और खासतौर से अमेरिका को चौंका दिया था। इस टेस्ट के बारे में अमेरिका के पूर्व इंटेलिजेंस अधिकारी डेविड ग्रुश ने बात की है। करीब सात साल बाद डेविड ने यह कबूला है कि भारत के अरऑल टेस्ट ने अमेरिका को हैरान कर दिया था और इससे वॉशिंगटन में काफी हलचल हुई थी। उन्होंने इससे अमेरिकी खुफिया एजेंसियों में गुस्से का भी जिक्र किया था। पॉडकास्टर जो रोगन के साथ एक बातचीत में पूर्व अमेरिकी इंटेलिजेंस अधिकारी डेविड ग्रुश ने उस पल को याद किया, जब भारत ने 27 मार्च 2019 को अचानक एंटी-सैटेलाइट मिसाइल टेस्ट किया। उस समय ग्रुश नेशनल रिकॉनिसेंस ऑफिस (NRO) के ऑपरेशन्स सेंटर में ड्यूटी पर थे। उन्होंने कहा, '2019 में भारत ने अप्रत्याशित मिसाइल टेस्ट किया, जिसने उनके ही सैटेलाइट को निशाना बनाया था। उन्होंने हमें इसके बारे में नहीं बताया था।'

मैं NRO डायरेक्टर को जानकारी देने के लिए तेजी से गया था। मैं अपनी यूनिफॉर्म में डायरेक्टर के ऑफिस की ओर भागा, उस वक्त मेरी मेरी सांस फूल रही थी।

डेविड ग्रुश ASAT टेस्ट पर क्या बोले डेविड

भारत ने ओडिशा तट के पास NOTAM (हवाई जहाज उड़ाने वालों के लिए नोटिस) जारी किया था, जिसका मतलब था कि अमेरिका को पता था कि मिसाइल का टेस्ट होने वाला है। उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि यह अरऑल मिसाइल होगी। भारत ने टेस्ट किया और इसका निशाना बेकार हो चुका सैटेलाइट 'माइक्रोसैट-R' बना। इससे भारत, अमेरिका, रूस और चीन के बाद सैटेलाइट नष्ट करने की रणनीतिक क्षमता वाला चौथा देश बन गया। डेविड ग्रुश ने उस टेस्ट से अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी के हैरान रह जाने के बाद NRO में अफरातफरी का जिक्र किया। ग्रुश उस वक्त सिर्फ डफ्ट के इंटेलिजेंस बैकअप डायरेक्टर थे, बल्कि डायरेक्टर के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की रोजाना की ब्रीफिंग भी संभाल रहे थे। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि मैं एम्बेसी वगैरह को फोन कर रहा था और सोच रहा था कि यह क्या हो रहा है। मैं वॉच फ्लोर पर ऑर्बिटल एनालिस्ट के पास गया, जहाँ बहुत सारी अजीब स्क्रीन लगी थीं, और कहा – मलबे के दायरे का हिसाब लगाओ, मुझे बताओ कि क्या हमें कुछ हटाना या घुमाना होगा। डेविड ग्रुश क्या थी सबसे बड़ी चिंता, NRO अमेरिका के जासूसी सैटेलाइट बनाता और चलाता है। अमेरिका के लिए तुरंत चिंता की बात सैटेलाइट के नष्ट होने से बना मलबा था। ग्रुश ने कहा कि NRO में हमें मलबे की चिंता थी क्योंकि हम जासूसी सैटेलाइट उड़ाते हैं। मैं तुरंत ऑर्बिटल एनालिस्ट के पास गया और उनसे मलबे के दायरे का हिसाब लगाने और यह पता लगाने को कहा कि क्या किसी अमेरिकी सैटेलाइट को अपनी जगह से हटाना होगा।

ग्रुश का बयान असल में यह साबित करता है कि खासकर अमेरिका को पता था कि भारत मिसाइल का टेस्ट करेगा लेकिन उसे यह नहीं पता था कि यह अरऑल होगा। यानी अमेरिका उस वक्त बुरी तरह चौंक गया था। डेविड का बयान अमेरिका के रक्षा विभाग के तत्कालीन प्रवक्ता के उस बयान के उलट है, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका को भारत के ASAT टेस्ट के बारे में पहले से पता था।

एसआईआर का उद्देश्य अयोग्य लोगों को मतदाता सूची से हटाना है : चौहान

(जीएनएस)।

पणजी, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन करते हुए कहा कि मृत लोगों और गैर भारतीयों के नाम मतदाता सूची में नहीं रहने चाहिए।

गोवा सरकार द्वारा पोंडा में आयोजित सेवा की कहानी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने एसआईआर पर उठाई जा रही आपत्तियों पर सवाल किया।

चौहान ने कहा कि मौजूद लोगों से सवाल किया, अगर मतदाता सूची में कोई गलत नाम है, अगर किसी व्यक्ति

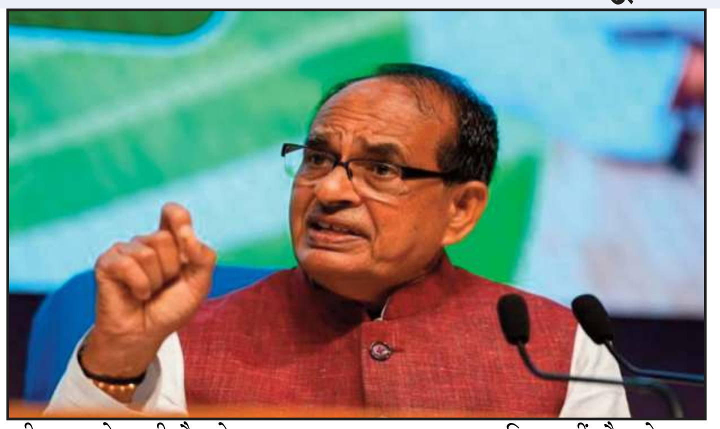

की मृत्यु हो चुकी है, तो क्या उसका नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए? क्या उसे हटा देना चाहिए? अगर कोई भारत का नागरिक नहीं है, तो क्या उसका नाम मतदाता सूची में रहना चाहिए? चौहान ने यह टिप्पणी एसआईआर को लेकर जारी राजनीतिक बहस और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के दावों के बीच आई है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि एसआईआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब वह चुनाव हारती है, तो निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है, जबकि चुनाव जीतने पर वह चुनाव प्रक्रिया को स्वीकार करती है।

भारतीय सरजमीं पर राफेल से टकराया एफ-35, अमेरिकी एफ-22 को कर चुका 'चित', इस बार किसने मारी बाजी

(जीएनएस)।

भारतीय वायुसेना जोधपुर एयरबेस पर आयोजित होने वाले 'तरंग शक्ति' युद्धाभ्यास में पहली बार अमेरिकी के खतरनाक फिफ्थ-जेनरेशन स्टील्थ फाइटर जेट F-35 को अपनी धरती पर होस्ट कर रही है। इस मेगा एक्सरसाइज में भारतीय राफेल विमानों का अमेरिकी F-35 से आमना-सामना होगा। इस महा-ट्रेनिंग से भारतीय पायलटों को चीन और पाकिस्तान के स्टील्थ जेट्स का मुकाबला करने की अचूक रणनीति और महारत हासिल होगी।

भारत के राफेल ने एफ-35 के सामने अपना दम दिखाया। डिफेंस वर्ल्ड से एक ऐसी गजब की खबर सामने आ रही है, जिसे सुनकर मिलिट्री लवर्स काफी उत्साहित हैं। भारतीय वायुसेना (IAF) जोधपुर पर अपने सबसे अधुनिक राफेल फाइटर जेट से अमेरिकी एफ-35 विमान का सामना करती नजर आई। राफेल 4.5 जनरेशन का जेट है, जबकि F-35 को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान माना जाता है। एशिया के सबसे बड़े एयर एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति' में भारत पहली बार अमेरिकी वायुसेना के सबसे खतरनाक और घातक स्टील्थ फाइटर जेट को अपनी सरजमीं पर होस्ट कर रहा है। इस मेगा मिलिट्री ड्रिल में फ्रांस के राफेल और यूएई के F-16 डेजर्ट फाल्कन भी अपना दम दिखाने उतर रहे हैं। Gen Z की भाषा में कहें तो यह कॉम्बैट आसमान का अल्टीमेट बॉस तय करने वाला सबसे तगड़ा शोडाउन था।

क्यों है यह एक्सरसाइज इतनी जरूरी?

दरअसल, चीन के पास J-20 जैसे स्टील्थ फाइटर जेट्स हैं और पाकिस्तान भी भविष्य में बीजिंग से J-35A हासिल करने की फिराक में है। ऐसे में, जब भारतीय राफेल पायलट अपनी ही धरती पर अमेरिकी F-35 जैसे इनविजिबल घोस्ट जेट्स के खिलाफ डॉगफाइट कर रहे हैं तो उन्हें दुश्मन के रडार से बचने और उसे मात देने के सीक्रेट ट्रिक्स मिल जाएंगे। हालांकि भारतीय राफेल थोड़े अलग हैं, जिन्हें खास तौर पर भारत की हाई-अल्टीमेटम जरूरतों (चीन और पाकिस्तान बॉर्डर के हिसाब से) कस्टमाइज किया गया है। लेकिन F-35 के खिलाफ यह ट्रेनिंग इंडियन एयरफोर्स को गेम में सबसे आगे रखने के लिए एक एकदम परफेक्ट बूस्टर डोज है।

राफेल दुनिया के सबसे खतरनाक जेट्स को दे चुका मात

कहानी सिर्फ यहीं खत्म नहीं होती। इतिहास गवाह है कि राफेल ने पहले भी दुनिया के सबसे बड़े सूरमाओं को हैरान किया है। पिछले साल ट्रिडेंट अटलांटिक एक्सरसाइज के दौरान एक फ्रांसीसी राफेल ने अपने SPECTRA (पैसिव इन्फ्रारेड सेंसर) का इस्तेमाल करके एक F-35 को लॉक कर दिया था और इसका किल स्कोर किया था। इतना ही नहीं, साल 2009 में यूएई में हुई एक ड्रिल के दौरान तो राफेल ने अमेरिका के अजेय माने जाने वाले F-22 रैप्टर को भी लॉक कर दिया था। हालांकि अमेरिकी पायलट्स हमेशा दावा करते हैं कि उनके स्टील्थ जेट्स अजेय हैं, लेकिन राफेल की यह मारक क्षमता यह साबित करने के लिए काफी है कि 4.5th जेनरेशन का यह फाइटर जेट अच्छे-अच्छों के पसीने छुड़ा सकता है।

भारत के लिए गेम-चेंजर क्यों है 'तरंग शक्ति'?

जोधपुर में होने वाली इस एक्सरसाइज से यह बहस तो शायद पूरी तरह खत्म नहीं होगी कि कौन सा जेट बेहतर है, लेकिन भारतीय वायुसेना के लिए यह एक जबरदस्त मौका है। इस बार फ्रांस नहीं बल्कि भारत के अपने राफेल, अपने कंट्रोलर्स और अपने टैंकर भारतीय आसमान और इंडियन कंडीशंस में दुनिया के सबसे बेहतरीन स्टील्थ फाइटर से लोहा लेंगे। मेटेओर मिसाइल और स्पेक्ट्रा जैमर से लैस हमारे राफेल जब F-35 जैसे कम-दृश्यता वाले दुश्मन को ट्रैक करेंगे तो इंडियन एयरफोर्स की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। कुल मिलाकर कहें तो, आसमान का यह रोमांचक मुकाबला भारत की सुरक्षा को एकदम नेक्स्ट लेवल पर ले जाने वाला है।

उप्र के कौशांबी में ज्वैलर से लूट, तीन अज्ञात आरोपियों ने हेलमेट से किया हमला

कौशांबी, उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर एक आभूषण विक्रेता को हेलमेट से हमला कर घायल कर दिया और उससे सोने-चांदी के आभूषण तथा 20,000 रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे कोखराज थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि प्रतापगढ़ में आभूषण की दुकान चलाने वाले सुरेश चंद्र सोनी मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कोखराज टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर दूर तीन अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। प्रजापत के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर सोनी पर हेलमेट से हमला किया, उनका बैग छीना और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि बैग में 20 ग्राम सोने के आभूषण, एक किलोग्राम चांदी के आभूषण और 20,000 रुपये नकद थे। एसपी ने बताया कि सोनी की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

आरोपियों की तलाश के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

भारत वैश्विक चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा : नकवी

(जीएनएस)।

वायनाड (केरलम)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि भारत आधुनिक स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को आयुष जैसी पारंपरिक प्रणालियों के साथ जोड़कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। नकवी कल्पेट्टा में कन्नूर आयुर्वेदिक मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड योग रिसर्च सेंटर के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां आधुनिक विज्ञान और प्राचीन ज्ञान का संगम

विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के होता है। उन्होंने कहा कि यहां जिसकी शुरुआत 5,000 साल से भी साथ-साथ आयुर्वेद भी मौजूद है, पहले इसी देश में हुई थी। नकवी ने कहा कि भारत का स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र एक भरोसेमंद वैश्विक मॉडल के तौर पर उभरा है, खासकर कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के मामले में।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने किफायती और विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित की है, जिससे भारतीयों के साथ-साथ देश में इलाज कराने आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी लाभ हुआ है। नकवी ने कहा कि हील इन इंडिया पहल के ज़रिए देश एकीकृत स्वास्थ्य देखरेख के लिए एक आकर्षक गंतव्य के तौर पर उभरा है।

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बर्बरता की : माकपा

नई दिल्ली, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रोकने की मांग को लेकर शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों युवाओं और छात्रों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की।

वाम दल ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर को किले में तब्दील कर दिया और प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल जंतर-मंतर पर सभा की अनुमति नहीं देने के बाद वहां

पहुंचने की कोशिश करने वाले लोगों को हिरासत में लिया। माकपा पोलित ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि प्रतिबंधों के बावजूद डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और अन्य छात्र एवं युवा संगठनों के नेतृत्व में सैकड़ों युवा और छात्र जंतर-मंतर पहुंचे। पाटा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहारपूर्वक बल प्रयोग किया और उन्हें बसों में डाल दिया, जिससे कई लोग घायल हुए। उसके अनुसार, सुरक्षा कर्मियों को डीवाईएफआई और एसएफआई के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने में दो घंटे से अधिक समय लगा, जो युवाओं द्वारा किए गए कड़े प्रतिरोध को दर्शाता है। माकपा ने कहा कि पाटा के महासचिव एम ए बेबी और वरिष्ठ नेता बृंदा करात के अलावा डीवाईएफआई महासचिव हिमनगराज भट्टाचार्य, डीवाईएफआई अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य ए ए रहीम, एसएफआई महासचिव सृजन भट्टाचार्य, एसएफआई अध्यक्ष आदर्श एम साजी तथा एसएफआई की संयुक्त सचिव और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) की पूर्व अध्यक्ष आइशी घोष को भी हिरासत में लिया गया।

पाटा का यह बयान जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा आम आदमी पाटा (आप) के नेताओं तथा विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्यों सहित 700 से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने के बाद आया।

जन्मस्थली से कीर्ति मंदिर तक: बापू के जीवन और विरासत की कहानी बयां करते दो स्थल

(जीएनएस)।

अहमदाबाद, गुजरात के पोरबंदर में एक सादा कमरा, जहां 1869 में मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म हुआ था, और उसके ठीक बगल में बाद में उनकी स्मृति में बनाया गया कीर्ति मंदिर महात्मा गांधी के जीवन और विरासत के अलग-अलग अध्यायों से आगंतुकों को परिचित कराते हैं।

महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को पोरबंदर स्थित कीर्ति मंदिर में बापू को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित की गई। पोरबंदर के उपजिलाधिकारी एस. ए. जादव के अनुसार, गांधी की वास्तविक जन्मस्थली उस पैतृक हवेली का हिस्सा है, जहां उनका परिवार रहता था। 22 कमरों वाली इस हवेली को गांधी के परदादा हरजीवनदास गांधी ने 1777 में खरीदा था और बाद में उनके दादा उत्तमचंद गांधी ने इसका विस्तार कराया। उत्तमचंद गांधी और गांधी के पिता करमचंद गांधी तत्कालीन पोरबंदर रियासत में दीवान थे। इसी पैतृक घर में दो अक्टूबर 1869 को मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म हुआ था। जन्म वाले कमरे को आज जन्मस्थली परिसर के हिस्से के रूप में संरक्षित किया गया है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Patauurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M) 9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com•garvigujarat2007@yahoo.com•Website : www.garvigujarat.co.in

35 गांवों से दिल्ली, लखनऊ तक चलेंगी बसें, रूटचार्ट जारी

(जीएनएस)।

रायबरेली। जिले के 35 गांवों से प्रमुख शहरों के लिए बसों का संचालन होगा। रायबरेली डिपो ने तीन माह के लिए बसों के संचालक का रूटचार्ट जारी किया है। गांवों संचालित होने वाले यह बसें दिल्ली, लखनऊ और प्रयागराज महानगरों तक चलेंगी। डिपो ने यात्रियों की बढ़ती मांग और आगामी पर्वों के मद्देनजर नया रूटचार्ट जारी किया है।

इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सीधे बड़े शहरों तक पहुंचने में आसानी होगी। यात्रियों के लिए चंदापुर, ऊंचाहार, जगदीशपुर, डलमऊ, हैदरगढ़, इन्हौना समेत अन्य मार्ग से बसों का संचालन दिल्ली तक किया जाएगा। इसके अलावा सलोन, रामपुर, बैंती, महराजगंज, सेमरौता, जगतपुर, शिव नगर, बरारा, शिवगढ़, परशदेपुर, धीरनपुर, धरई, विशुनदासपुर, भीरा, भोजपुर, अमावां, नसीराबाद, डीह, कोंसा, खीरों आदि ग्रामीणांचल के गांवों को जोड़कर लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और अयोध्या समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर भी बसों का संचालन कराने का प्रस्ताव है।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आदित्य प्रकाश ने बताया कि जिले के सभी गांवों को बस सेवा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इसीलिए गांवों से बसों के संचालन के लिए तीन माह का रूटचार्ट बनाया गया है।

गोमो होकर चलेगी लखनऊ-आदित्यपुर स्पेशल, 10 और 15 अक्टूबर को चलेगी

(जीएनएस)।

लखनऊ-आदित्यपुर स्पेशल ट्रेन 10 अक्टूबर से शुरू हो रही है. गोमो जंक्शन पर इसका ठहराव होगा, जिससे धनबाद के यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी.

धनबाद. यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने लखनऊ और आदित्यपुर के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. ट्रेन संख्या 04218 लखनऊ-आदित्यपुर स्पेशल 10 अक्तूबर को लखनऊ से रवाना होगी, जबकि 04217 आदित्यपुर-लखनऊ स्पेशल 15 अक्तूबर को आदित्यपुर से चलेगी.

यह स्पेशल ट्रेन गोमो जंक्शन से होकर गुजरेगी. गोमो में ट्रेन का दोनों दिशाओं में पांच-पांच मिनट का ठहराव निर्धारित किया गया है. इससे धनबाद जिले के यात्रियों को भी इस ट्रेन का लाभ मिल सकेगा.

10 अक्तूबर को लखनऊ से खुलेगी ट्रेन

रेलवे की ओर से जारी समय-सारणी के अनुसार ट्रेन संख्या 04218 लखनऊ-आदित्यपुर स्पेशल 10 अक्तूबर को लखनऊ से दोपहर 12:05 बजे रवाना होगी. ट्रेन रात 3:15 बजे गोमो जंक्शन पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद 3:20 बजे रवाना होगी. इसके बाद ट्रेन सुबह 7:10 बजे आदित्यपुर पहुंचेगी.

ये भी पढ़ें: धनबाद रेल मंडल में फ्छक्र और उक्द्द का बड़ा एक्शन, ट्रेन से जब्त हुई हजारों की अंग्रेजी शराब

15 अक्तूबर को आदित्यपुर से होगी वापसी

वापसी में ट्रेन संख्या 04217 आदित्यपुर-लखनऊ स्पेशल 15 अक्तूबर को आदित्यपुर से सुबह 11:10 बजे रवाना होगी. ट्रेन दोपहर 12:08 बजे चांडिल पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद 12:10 बजे रवाना होगी.

इसके बाद ट्रेन दोपहर 3:50 बजे गोमो जंक्शन पहुंचेगी और पांच मिनट रुकने के बाद 3:55 बजे लखनऊ के लिए रवाना होगी. ट्रेन 16 अक्तूबर की सुबह 7:00 बजे लखनऊ पहुंचेगी.

स्पेशल ट्रेन के परिचालन से लखनऊ और आदित्यपुर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी. गोमो में ठहराव होने से आसपास के यात्रियों के लिए भी इस ट्रेन से सफर करना सुविधाजनक होगा.

लखनऊ में 6.50 लाख में 1 बीएचके और 34 लाख में 2बीएचके, गांधी जयंती पर एलडीए का ऑफर

(जीएनएस)।

महात्मा गांधी के जयंती पर लखनऊ विकास प्राधिकरण घर खरीदने के लिए बड़ा डिस्काउंट दे रहा है. एलडीए ने अनंत नगर योजना के पहले बहुमंजिला हाउसिंग प्रोजेक्ट अदिति अपार्टमेंट के 1392 भवनों के लिए रजिस्ट्रेशन खोला है. इसमें वन बीएचके के 412 प्रधानमंत्री आवास और 2 बीएचके के 980 अपोर्डेबल हाउस मौजूद हैं.

लखनऊः अगर आप राजधानी लखनऊ में अपने सपनों का घर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए बेस्ट मौका है. क्योंकि लखनऊ विकास प्राधिकरण इस बार गांधी जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री आवास और अफोर्डेबल हाउस की सौगात लेकर आया है. इसके तहत अनंत नगर योजना के पहले बहुमंजिला हाउसिंग प्रोजेक्ट अदिति अपार्टमेंट के 1392 भवनों के लिए रजिस्ट्रेशन खोला जा रहा है. इसमें वन बीएचके के 412 प्रधानमंत्री आवास और 2 बीएचके के 980 अफोर्डेबल हाउस मौजूद हैं.

5 फीसदी धनराशि रजिस्ट्रेशन के वक्त जमा करना होगा

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने जानकारी दी कि भवनों के लिए रजिस्ट्रेशन केवल प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही करवाया जा सकेगा. इसके लिए 2 अक्तूबर से 2 नवंबर तक पोर्टल लाइव रहेगा. रजिस्ट्रेशन कराने के लिए आवेदक को भवन की अनुमानित मूल्य की 5 फीसदी धनराशि जमा करानी होगी. वहीं आरक्षित वर्ग के लिए पंजीकरण धनराशि 2.5 फीसदी होगी. भवनों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी के जरिए किया जाएगा.

वन बीएचके का दाम साढ़े छह लाख रुपये

वीसी ने बताया कि अनंद नगर योजना के आदर्श खंड में 18,411 वर्गमीटर क्षेत्रफल के ग्रुप हाउसिंग भूखंड पर अदिति अपार्टमेंट निर्मित किया जाएगा. यह परियोजना अलग-अलग आय वर्ग के परिवारों की आवासीय जरूरतों को पूरा करेगी. अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि योजना में वन बीएचके के कुल 412 फ्लैट होंगे. प्रत्येक फ्लैट 38.25 वर्गमीटर क्षेत्रफल का होगा, जिसकी कीमत 8 लाख 99 हजार 900 रुपये तय की गई है. वन बीएचके भवन के लिए लाभार्थी को 6.50 लाख रुपये ही देने होंगे. बाकी ढाई लाख रुपये का अंशदान केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए जाएगा.

34 लाख में टू बीएचके

अदिति अपार्टमेंट में 1 बीएचके के फ्लैट में 2 और 2 बीएचके के फ्लैट में 3 बालकनी दी जाएगी. यह परियोजना पूरी तरह आधुनिक शहरी सुविधाओं से लैस होगी. जिसमें हाई स्पीड लिफ्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, पावर बैकअप, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम, कम्युनिटी स्पेस और पैदल पथ की सुविधाएं शामिल होंगी. योजना में 2 बीएचके श्रेणी के कुल 980 फ्लैट बनेंगे. प्रत्येक फ्लैट 50.10 वर्गमीटर क्षेत्रफल का होगा, जिसकी कीमत 34 लाख 82 हजार रुपये तय की गई है.

लखनऊ एयरपोर्ट पर अब वाहन लाना महंगा, दस मिनट के ड्रॉप टाइम का भी लगेगा 50 रुपया शुल्क

(जीएनएस)।

लखनऊः चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, अमौसी पर अब ड्रॉप करने वाले वाहनों से भी शुल्क वसूला जाएगा। वाहन से आने वाले यात्रियों से अब अधिक पार्किंग शुल्क वसूला जाएगा।

लखनऊ एयरपोर्ट पर अब यात्रियों को छोड़कर वापस लौटने वाले वाहनों को भी शुल्क देना होगा। टोकन करने से लेकर आठ मिनट की मियाद के बाद इन वाहनों से 50 रुपये किया जाएगा। साथ ही एयरपोर्ट पर पिक एवं ड्रॉप के लिए 10 मिनट की अवधि को घटाकर आठ मिनट कर दिया गया है। कॉमर्शियल वाहनों पर अधिक शुल्क बढ़ाया गया है। उनको न्यूनतम 200 रुपए देने होंगे।

भारतीय विमानन पत्तन प्राधिकरण के कई एयरपोर्ट पर पार्किंग और प्रवेश शुल्क में कुछ दिन पहले बदलाव किया गया है। अब लखनऊ एयरपोर्ट पर भी यह रेट एक अक्टूबर से बदल दिए गए हैं।

इतना होगा अब शुल्क

निजी वाहनों के लिए शुल्कः आठ मिनट का पिक एवं ड्रॉप फ्री रहेगी। इसके बाद आठ से 30 मिनट का 150 रुपये,30 मिनट से एक घंटे का 200 रुपये,एक से दो घंटे का 300 रुपये, दो से तीन घंटे का 400 रुपये, तीन से चार घंटे का 500 रुपये और चार से 24 घंटे का एक हजार रुपये देने होंगे।

कैब सहित कॉमर्शियल वाहनः कैब सहित कॉमर्शियल वाहनों को अब शून्य से आठ मिनट का 200 रुपये,आठ से 30 मिनट का भी 200 रुपये,30 मिनट से एक घंटे के 300 रुपये,एक से दो घंटे का 400 रुपये,दो से तीन घंटे का 500 रुपये,तीन से चार घंटे का 600 रुपये और चार से 24 घंटे का 1200 रुपए देना होगा।

दो पहिया वाहनों का शुल्कः दो पहिया वाहनों के लिए के लिए शून्य से 30 मिनट तक 50 रुपये, 30 मिनट से एक घंटा का 100 रुपये,चार घंटे के लिए प्रत्येक एक घंटा 50 रुपये अतिरिक्त और 24 घंटे तक 300 रुपये लगेगा।

ऑटो का शुल्क : ऑटो के लिए शून्य से आठ मिनट तक 50 रुपये, आठ से 30 मिनट तक 80 रुपये, 30 से 60 मिनट के 100 रुपये, प्रत्येक एक घंटे के 50 रुपये अतिरिक्त अधिकतम चार घंटे के लिए और 24 घंटे के 500 रुपये देने होंगे।

अन्य वाहनः छोटे लोडर,मिनी बस, ट्रक के लिए 30 मिनट तक 600 रुपये, 30 मिनट से 60 मिनट 800 रुपये,प्रत्येक एक घंटे के 200 रुपये अधिकतम चार घंटे के लिए और 24 घंटे के तीन हजार रुपये देने होंगे।

बक्सा बाघ अभयारण्य में बाघिन को छोड़ा गया

कोलकाता, वेंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुव्रवार को पमि बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में बक्सा बाघ अभयारण्य में एक बाघिन को छोड़ा। कार्यव्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो महीनों में बक्सा बाघ अभयारण्य में तीन और बाघ छोड़े जाएंगे। बक्सा अभयारण्य में बाघों की आबादी बढ़ाने के उद्देश्य से इस बाघिन को बिहार के वाल्मीकि बाघ अभयारण्य से लाया गया था। सूचना के अनुसार अभयारण्य में कोई बाघ नहीं है लेकिन वैमरा पुटेज में एक बाघ देखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बाघ संभवतः भूटान या असम के मानस राष्ट्रीय उद्दान से भटककर इस इलाके में आ गया होगा।

इंस्पेक्टर अवनीश त्यागी को सीएम योगी ने दिया वीरता पदक, मैनपुरी पुलिस महकमे में खुशी का माहौल

मैनपुरी के एलाऊ इंस्पेक्टर अवनीश कुमार त्यागी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साहसिक और उत्कृष्ट पुलिस कार्यों के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया।

(जीएनएस)।

मैनपुरी। साहसिक और उत्कृष्ट पुलिस कार्यों के लिए एलाऊ इंस्पेक्टर अवनीश कुमार त्यागी को मुख्यमंत्री वीरता पदक से सम्मानित किया गया। गुरुवार को लखनऊ के लोक भवन में आयोजित समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें वीरता पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। सम्मान मिलने पर मैनपुरी पुलिस महकमे में हर्ष है।

उप निरीक्षक और एसओ एलाऊ अवनीश त्यागी का मुख्यमंत्री वीरता पदक के लिए चयन मैनपुरी पुलिस के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस सेवा के दौरान उन्होंने चुनौतीपूर्ण मामलों में कार्रवाई करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी और घटनाओं के अनावरण में भूमिका निभाई है।

एलाऊ क्षेत्र में उनके कार्यों की चर्चा पुलिस विभाग के साथ स्थानीय लोगों के बीच भी होती रही है। पदक मिलने पर एसपी गणेश प्रसाद साहा, एएसपी नगर अरुण कुमार सिंह, एएसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी, सीओ सिटी अशोक कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी फतेह बहादुर सिंह आदि ने हर्ष व्यक्त कर उन्हें बधाई दी है।

रक्तदान से किसी के जीवन में जग सकती है नई उम्मीदः डीएम

मैनपुरीः राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर डीएम डा. इंद्रमणि त्रिपाठी ने स्वस्थ लोगों से स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान देने का आह्वान किया। वहीं राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर 21 लोगों ने रक्तदान किया है।

महाराजा तेज सिंह जिला चिकित्सालय स्थित रक्त केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में डीएम ने कहा कि एक व्यक्ति का रक्तदान जरूरत के समय दूसरे व्यक्ति के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है। इस दौरान बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विद्युत मुकेश कुमार और अधिशासी अभियंता अनिल कुमार वर्मा समेत राजकुमार सिंह, अभिनव जैन, सौरभ गुप्ता, सुनील, मुकेश कुमार चौरसिया, योगेंद्र कुमार, राजीव कुमार, अमित कुमार, हिमांशु, राहुल भारती और अंचित ने रक्तदान किया।

वहीं, डीएम और सीएमओ डा. आरसी गुप्ता ने 44 बार रक्तदान करने वाले नीरज बैजल और 11 बार रक्तदान करने वाले भाजयुमो के अनिल राजपूत समेत अन्य रक्तदाताओं को सम्मानित किया।

आकृति आर्ट फाउंडेशन की 25वीं अंतर्राष्ट्रीय समूह कला प्रदर्शनी ₹कलर्स ऑफ स्प्रिंगर₹ का मुंबई में शुभारम्भ

मानवीय सम्वेदनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति करती आकर्षक कलाकृतियों का प्रदर्शन

मुंबई, 2 अक्टूबर। कला, साहित्य और संस्कृति की प्रतिनिधि संस्था "आकृति आर्ट फाउंडेशन" द्वारा आयोजित 25वीं अंतर्राष्ट्रीय समूह कला प्रदर्शनी का शुभारम्भ गुरुवार, 1 अक्टूबर, 2026 की शाम भूलाभाई देसाई मार्ग, मुंबई स्थित गोदरेज समूह की सुप्रसिद्ध प्रदर्शनी दीर्घा "सिमरोजा आर्ट गैलरी" में एक गरिमापूर्ण समारोह में हुआ। 4 अक्टूबर, 2026 तक चलने वाली इस चार दिवसीय प्रदर्शनी के मुख्य आयोजक और आकृति आर्ट फाउंडेशन के संस्थापक मनमोहन जायसवाल ने बताया कि इस समूह कला प्रदर्शनी में भारत और कनाडा के 38 कलाकारों की आकर्षक कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें विविध माननीय सम्वेदनाओं, सामाजिक अनुभूतियों एवं सृष्टि के विभिन्न पहलुओं को बेहद सशक्त और प्रभावशाली शैलियों में अभिव्यक्त किया गया है।

आकृति आर्ट फाउंडेशन की 25वीं समूह कला प्रदर्शनी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए विभिन्न प्रमुख अतिथि तथा मुख्य आयोजक। अन्य दो तस्वीरों में प्रदर्शनी में रखी गईं दो आकर्षक कलाकृतियाँ।

इस आकर्षक कला प्रदर्शनी का शुभारम्भ विभिन्न गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, जिनमें देश के जाने-माने संगीत निर्देशक दिलीप सेन और वरिष्ठ समाजसेवी गणपत कोठारी मुख्य रूप से शामिल हैं। इनके अलावा मौजूद अन्य गणमान्य अतिथियों में संजय श्रीवास्तव, अशोक माहेश्वरी, राजीव रंजन सिंह, विकास महंते, एस पी आहूजा, राकेश मेघप्रा, श्रीमती लीना चोपड़ा, श्रीमती मीनल जैन, श्रीमती शहनाज खान, दिनेश कोचर, सुनील गुप्ता, श्यामजी भाई कोली, अरविंद आर्य, राजेश वेदांत, समीर नाइक, आदित्य सक्सेरिया, डॉ. सत्यजीत पटनायक, हिमांशु पंवार, शिवानी गिरी सहित कला, साहित्य, संगीत और सिनेमा जगत के विभिन्न कला प्रेमी अतिथि उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में सुप्रसिद्ध चित्रकार श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव, डॉ. जी गंगशा और एलिस्टन डायस की बेहतरीन कलाकृतियाँ आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई हैं। विभिन्न अतिथियों ने अपने सम्बोधन में प्रदर्शनी की सराहना करते हुए सभी कलाकारों को उनके सृजनात्मक सफर के लिए शुभकामनाएँ प्रकट कीं। इस कला प्रदर्शनी में मशहूर चित्रकार एम.एफ. हुसैन, तेलंगाना के टी. वैकुंठम, रामकुमार, श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव, डॉ. जी गंगशा, विनीत मिस्त्री, बालकृष्ण कांबले, अशोक सरोज, सरिता सिन्हा, मयूर श्रीवरदंकर, दिव्यांशु जायसवाल, कामाक्षी कौर, उदय जोशी, किरण शिरूर, पूजा पारेख, हिमांशी सिंह, अनीता गोयल, प्रधन्या वानखेड़े, सुमेध उन्नावने, एलिस्टन डायस, अंजलि हरनाहल्ली, लाभ प्रकाश नायडू, सुबोध नेमलेकर, संजय उन्हावने, सैयद जुबेर, वैशाली शाह, कुमुद दास, कियारा देसाई तक्ष, विनीत जैन, ईशान घोष, रीवा पुनीत जैन, अन्या जैन, देव वी मंडोट, मायरा ए जैन, वीरिका जैन, पार्श्वी राठौड़, पनेशा वी जैन की मनोरम कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं।

आयोजक मनमोहन जायसवाल ने प्रारम्भ में सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के लिए रजत जयंती का मुकाम हासिल करना सचमुच गौरवशाली क्षण होता है। इसीलिए अपनी 25 वीं समूह कला प्रदर्शनी के विशेष अवसर पर आकृति आर्ट फाउंडेशन की समूची टीम बेहद गौरवान्वित है। उन्होंने बताया कि यह आकर्षक प्रदर्शनी आगामी 4 अक्टूबर , 2026 तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से सायं 7 बजे तक सभी कलाप्रेमियों के निःशुल्क अवलोकनार्थ खुली रहेगी। उल्लेखनीय कि आकृति आर्ट फाउंडेशन के फाउंडर मनमोहन जायसवाल पिछले 15 सालों से मुंबई में इस तरह की अनूठी कला प्रदर्शनियों का आयोजन करते आ रहे हैं, जिन्हें लोग दूर-दराज से देखने आते हैं। जायसवाल की कला प्रदर्शनी में हमेशा भारतीय प्रसिद्ध, स्थापित और अर्ध्द-स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नवोदित कलाकारों की कलाकृतियों को भी प्रमुखता के साथ प्रदर्शित किया जाता है। उन्होंने सभी कला प्रेमियों से अनुरोध किया है कि अगर आप उत्कृष्ट कला प्रदर्शनी को देखने और अनुभव करने के शौकीन हैं, तो मुंबई में चल रही इस अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी को देखने के लिए अवश्य अपनी विज़िट सुनिश्चित करें।

मानसून की विदाई तो गर्मी की एंट्री, मगर फिर लौटेगी बारिश, अच्छे से करेगी सबका वेलकम

उत्तर प्रदेश में अब मानसून की विदाई का दौर शुरू हो गया है. मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में प्रदेश के बाकी हिस्सों से भी मानसून लौट सकता है. इसके बाद कई इलाकों में मौसम साफ होने लगेगा और दिन में धूप तेज होने से गर्मी बढ़ेगी.

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में मानसून अब विदाई की ओर है. अगले 24 घंटे में प्रदेश के बचे हिस्सों से भी मानसून लौटने की स्थिति बन रही है. इसके बाद ज्यादातर इलाकों में बारिश थमने और मौसम साफ होने का अनुमान है. दिन में तेज धूप निकलने से तापमान बढ़ेगा और लोगों को गर्मी के साथ उमस भी महसूस हो सकती है. हालांकि, मौसम पूरी तरह एक जैसा नहीं रहेगा. आने वाले दिनों में पूर्वी और पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों में फिर से हल्की बारिश देखने को मिल सकती है.

मानसून की विदाई तो गर्मी की एंट्री, मगर फिर लौटेगी बारिश, जानें क्टऊ अपडेट

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मानसून की वापसी के लिए मौसम की स्थिति लगातार अनुकूल हो रही है. मानसून के पीछे हटते ही प्रदेश में बारिश की गतिविधियां कम होंगी और आसमान साफ रहने लगेगा. इसका सीधा असर तापमान पर पड़ेगा. दिन का पारा धीरे-धीरे ऊपर जाएगा और दोपहर में धूप ज्यादा तेज महसूस होगी.

लखनऊ में भी इसका असर दिखने लगा है. शुक्रवार को दिनभर मौसम साफ रहा और तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी महसूस हुई. राजधानी में अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रहा. पिछले 24 घंटे की तुलना में दिन के तापमान में 0.9 डिग्री और रात के तापमान में 0.3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई.

मानसून की विदाई के बीच तराई वाले जिलों में मौसम थोड़ी करवट ले सकता है. मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को इन इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है. इससे इन जिलों में कुछ समय के लिए बादल छा सकते हैं और तापमान में मामूली बदलाव देखने को मिल सकता है.

प्रदेश के पूर्वी हिस्से में भी अगले कुछ दिनों में मौसम पूरी तरह शांत नहीं रहेगा. 5 से 8 अक्टूबर के बीच कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है. हालांकि, इसी दौरान कई इलाकों में मौसम साफ रहने का भी अनुमान है. यानी पूर्वी यूपी के सभी जिलों में लगातार बारिश जैसी स्थिति नहीं रहेगी. पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां 6 और 7 अक्टूबर को कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है.

'हमारे ग्राम स्वराज में परिवारवादी मॉडल के लिए कोई जगह नहीं' राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर बोले सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांधी जयंती पर कहा कि उनकी सरकार गांवों को आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की पहली इकाई मानती है, न कि विकास की अंतिम सीढ़ी।

(जीएनएस)।

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार गांव को विकास की अंतिम सीढ़ी नहीं, बल्कि नए भारत के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की पहली इकाई मानकर काम कर रही है। सशक्त पंचायत व समृद्ध गांव ही ग्राम स्वराज की आधारशिला हैं, जिसमें परिवारवादी मॉडल के लिए कोई जगह नहीं है।

मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर साझा की गई पोस्ट में कहा कि वर्ष 2017 से पहले गांवों को विकास नहीं, केवल वादे मिले। गांवों के नाम पर राजनीति होती रही, लेकिन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव रहा।

आय और जाति प्रमाण-पत्र जैसे

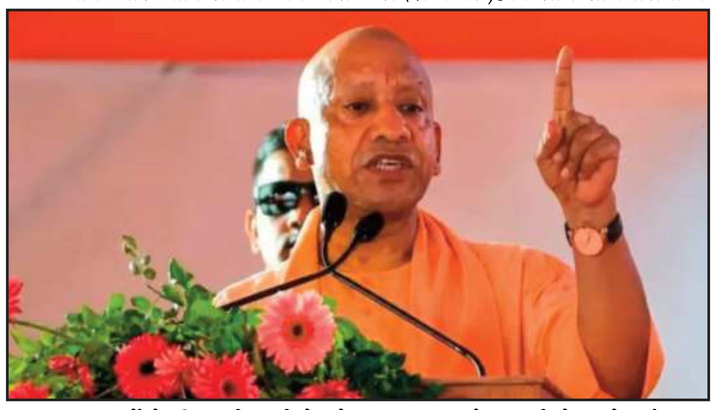

सामान्य कार्यों के लिए भी ग्रामीणों को तहसील, थाना और जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। गांवों को केवल वोट बैंक के रूप में देखने वाली राजनीति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों का विकास प्रभावित हुआ। वर्तमान सरकार ने व्यवस्था में बदलाव करते हुए ग्राम पंचायतों को सुविधाओं और सेवाओं से जोड़ने पर काम किया है।

मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश के 57,600 ग्राम सचिवालयों के माध्यम से ग्रामीणों को ई-ग्राम स्वराज, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन मॉनिटरिंग जैसी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे ग्राम पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

ग्राम सचिवालयों के संचालन से प्रत्येक गांव में 5 से 7 रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं।

ग्राम स्वराज को बताया आत्मनिर्भरता का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के लिए ग्राम स्वराज कोई राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के सपनों के गांव और उसकी आत्मनिर्भरता का संकल्प है। सशक्त पंचायत व समृद्ध गांव ही ग्राम स्वराज और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की आधारशिला हैं।

ग्राम स्वराज की इस व्यवस्था में परिवारवादी मॉडल के लिए कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री ने ह्लसशक्त पंचायत, समृद्ध गांव और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशह्व को ग्राम स्वराज की दिशा में सरकार के दृष्टिकोण के रूप में रेखांकित किया।

लखनऊ में नाबालिग की मांग में जबरन भरा सिंदूर, धर्मांतरण का बनाया दबाव, पुलिस ने किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ : मलिहाबाद थाना क्षेत्र में एक युवती को ब्लैकमेल कर कई वर्षों तक शोषण करने, जबरन कलमा पढ़वाने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. आरोपी ने पीड़िता के नाबालिग रहते हुए उसकी मांग में जबरन सिंदूर भरकर तस्वीरें खींच ली थीं और उन्हीं तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर लगातार दुष्कर्म करता रहा. पीड़िता की लिखित तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शाहनवाज उर्फ शेखू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है.

पीड़िता का आरोप है, कक्षा 11 में पढ़ाई के दौरान से आरोपी शाहनवाज उसका पीछा कर परेशान करता था. 1 जनवरी 2021 को आरोपी ने अकेला पाकर जबरन उसकी मांग में सिंदूर भर दिया और मोबाइल से उसकी फोटो खींच ली. इसके बाद आरोपी ने इन तस्वीरों को सार्वजनिक और वायरल करने का खौफ दिखाकर लगातार डराया-धमकाया और कई बार शारीरिक संबंध बनाए.

कलमा पढ़ने की जिद और धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव : पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोपी की प्रताड़ना का सिलसिलेवार ब्योरा दिया. पीड़िता का आरोप है कि आरोपी शाहनवाज उस पर जबरन कलमा पढ़ने और मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए लगातार दबाव बनाता था. विरोध करने पर आरोपी पीड़िता को जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करता था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था.

पीड़िता के बयान दर्ज : मलिहाबाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य जुटाए पुलिस ने पीड़िता के बीएनएसएस की धाराओं 180 और 183 के तहत बयान दर्ज कराए. साथ ही जन्मतिथि से जुड़े शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र और घटनास्थल का निरीक्षण कर ठोस सुबूत जुटाए. अपराध के पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद मलिहाबाद थाने के उपनिरीक्षक श्रीप्रकाश सिंह और उपनिरीक्षक शनि तोमर की टीम ने 2 अक्टूबर को सुबह करीब 8:05 बजे नीबू बाग के पास से आरोपी शाहनवाज उर्फ शेखू (26), निवासी मोहल्ला सिमरा तालाब, मलिहाबाद को गिरफ्तार कर लिया.

आरोपी ने खुद को बताया बेकसूर : इंस्पेक्टर मलीहाबाद सुरेंद्र भाटी ने बताया, पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुद पर लगे आरोपों को नकारते हुए इसे प्रेम संबंध का मामला बताने की कोशिश की, जिसे अदालत में साबित करने का दावा किया. हालांकि, पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं. विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है.

लखनऊ के 12 बड़े निजी अस्पतालों पर यूपीएफएसडीए का छापा, अपोलोमेडिक्स की ओपीडी फामेर्सी बंद, ग्लोब का स्टोर सील

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने मेदांता, चरक, शेखर और रीजेंसी में भी खामियां पकड़ी है.

(जीएनएस)।

लखनऊ : बड़े निजी अस्पतालों की फार्मेसियों में दवाओं के नाम पर चल रहे बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है. अस्पताल संचालक थोक फर्मों से बेहद कम कीमत पर जीवनरक्षक और सामान्य दवाएं खरीदकर प्रिंटेड एमआरपी पर मोटी रकम वसूल रहे थे. इस सिंडिकेट पर शिकंजा कसते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के 26 औषधि निरीक्षकों की टीम ने शहर के 12 प्रमुख निजी अस्पतालों में एक साथ औचक छापेमारी की.

जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के बाद अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओपीडी फामेर्सी को बंद करने का आदेश दिया गया है, जबकि ग्लोब हॉस्पिटल के एक अवैध भंडारण स्थल को सील कर दिया गया है. विभाग ने 38 दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजते हुए अस्पतालों व सप्लायरों को नोटिस थमा दिए हैं. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से प्रेस रिलीज जारी कर यह जानकारी दी गई है.

38 दवाओं के नमूने जांच को भेजे : अत्यधिक खपत और जीवनरक्षक दवाओं को थोक विक्रेताओं से 60 से 70 फीसदी तक कम कीमत पर खरीदा जा रहा था, लेकिन बिलिंग काउंटर पर मरीजों को पूरी एमआरपी या नाममात्र की छूट देकर बेचा जा रहा था. विभाग अब दवाओं के प्रिंटेड एमआरपी और स्टॉकिस्ट द्वारा अस्पतालों को दिए गए आपूर्ति मूल्य के बीच के अंतर की पड़ताल कर रहा है. अस्पताल और दवा कंपनियों के बीच तालमेल को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं. गुणवत्ता और प्रभावशीलता परखने के लिए 38 दवाओं के नमूने सील कर सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए हैं.

अपोलोमेडिक्स की डढऊ फामेर्सी पर ताला : जांच में नियमों की खुली अनदेखी मिलने पर विभाग ने सख्त एक्शन लिया. कानपुर रोड स्थित अपोलो सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में ड्रग्स रूल्स 1945 के तहत जरूरी स्टॉक लेजर, भर्ती मरीजों (आईपीडी) की फाइलें और गंभीर श्रेणी की 'शेड्यूल एच1' दवाओं के क्रय-विक्रय का अनिवार्य रजिस्टर नहीं मिला. बिलों पर दवाओं के बैच नंबर तक दर्ज नहीं थे.

इस पर टीम ने ओपीडी फामेर्सी को तत्काल बंद करने का आदेश दे दिया. राजाजीपुरम स्थित ग्लोबल अस्पताल प्रबंधन दवाओं की खरीद-बिक्री से जुड़ा कोई भी वैधानिक रिकॉर्ड पेश नहीं कर सका. साथ ही बिना अनुमति दो अलग-अलग जगहों पर दवाओं का भंडारण मिला. औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत एक परिसर को मौके पर ही सील कर दिया गया.

मेदांता, चरक, शेखर और रीजेंसी में भी पकड़ी गईं खामियां : जांच के घेरे में आए अन्य बड़े अस्पतालों की कार्यप्रणाली में भी मनमानी उजागर हुई. मेदांता लखनऊ और चरक हॉस्पिटल (दुबग्गा) में महंगी दवाओं के स्थान पर मरीजों को दिए जाने वाले सस्ते और जेनेरिक साल्ट (सब्स्टीट्यूट) फामेर्सी से नदारद पाए गए. रीजेंसी हॉस्पिटल (खुर्रम नगर) में बिलों पर दर्ज बैच नंबर और भौतिक स्टॉक मेल नहीं खा रहे थे. बिलों पर फर्म का सही पता भी नहीं था.

शेखर हॉस्पिटल (इंदिरा नगर) में शेड्यूल एक्स श्रेणी की संवेदनशील दवाओं की खरीद फामेर्सी लाइसेंस के बजाय चिकित्सक के नाम पर की जा रही थी. तलवार स्किन इंस्टीट्यूट (इंदिरा नगर) में फार्मासिस्ट मौके से गायब था और मोबाइल ऐप के जरिए बिना वैध रिकॉर्ड के दवाएं मंगाई जा रही थीं. मिड्लैन्ड हॉस्पिटल (महानगर) में कोल्ड-चेन मेंटेनेंस और स्टॉक लेजर में बड़ा अंतर पाया गया.

डॉ. केएनएस मेमोरियल हॉस्पिटल में मरीजों के पते, डॉक्टर के रजिस्ट्रेशन और आवश्यक लाइसेंस नंबर के बिना ही दवाएं बेची जा रही थीं. अवध हॉस्पिटल (आलमबाग) में थोक लाइसेंस न होने का दावा करने के बावजूद कंपनियों से उसी पर दवा खरीद के सुबूत मिले.

दवा सप्लायरों से लेकर निमार्ताओं तक पहुंचेगी जांच की आंच : प्रदेश में 24 सितंबर से शुरू हुए इस विशेष अभियान के पहले चरण में 16 जिलों के 21 मेडिकल कॉलेजों की भी पड़ताल की गई थी. यूपीएफएसडीए के अधिकारियों ने साफ किया है कि यह केवल एक सामान्य जांच नहीं है,

लखनऊ में चुनाव आयोग के खिलाफ सपा ने निकाली 'अस्थिकलश यात्रा', कार्यकताओं का विधानसभा कूच की कोशिश, पुलिस से झड़प

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग को लेकर विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। शुक्रवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ता 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की प्रतीकात्मक 'अस्थिकलश यात्रा' लेकर विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

जनपथ मार्केट से विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को हजरतगंज चौराहे के पास पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान सपा कार्यकताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। लखनऊ में इससे पहले भी चुनाव

आयोग और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सपा के प्रदर्शन हो चुके हैं।

शुक्रवार दोपहर दर्जनों सपा कार्यकर्ता जनपथ मार्केट के पास एकत्र हुए। उनके हाथों में प्रतीकात्मक अस्थिकलश था। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ने लगे।

हजरतगंज चौराहे के पास भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक लिया। हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुछ महिला और पुरुष कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें उठाकर पुलिस वैन में बैठाया और इको गार्डन भेज दिया।

प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकताओं ने पुलिस पर अभद्रता करने और कपड़े फाड़ने के आरोप भी लगाए।

'चुनाव आयोग मर चुका है' का लगाया नारा

अस्थिकलश लेकर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सपा कार्यकर्ता छोटू ने कहा कि वे चुनाव आयोग की प्रतीकात्मक अस्थि विसर्जन यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग निष्पक्ष तरीके से काम करने के बजाय भाजपा का पक्ष ले रहा है।

पुतिन और जेलेंस्की के बीच सुलह कराएंगे पीएम मोदी? रूस के बाद यूक्रेन ने पहली बार कही बड़ी बात

रूस-यूक्रेन शांति प्रयासों में भारत की भूमिका को लेकर नया संकेत मिला है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को चार पहलों में सबसे व्यापक बताया। पुतिन ने भी पीएम मोदी के शांति प्रयासों की सराहना की।

रूस-यूक्रेन युद्ध में पहली बार भारत ने मध्यस्थता की इच्छा जताई, कीव ने की पुष्टि।

यूक्रेन ऊर्जा और काला सागर में युद्धविराम के साथ बिना शर्त सीजफायर को तैयार।

पुतिन बोले- मोदी हर मुलाकात में यूक्रेन युद्ध खत्म करने के मुद्दे उठाते हैं।

(जीएनएस)।

कीव/मॉस्कोः रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने की कोशिशों में भारत ने पहली बार सक्रिय मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि इस समय शांति प्रक्रिया को लेकर 4 अहम अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव सामने हैं और इनमें भारत का प्रस्ताव सबसे व्यापक है। उन्होंने बताया कि भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने की इच्छा जाहिर की है। यूक्रेन ने भी ऊर्जा और काला सागर में कृषि से जुड़े युद्धविराम के साथ-साथ बिना शर्त संघर्ष विराम पर अपनी तैयारी जताई है।

भारत के प्रस्ताव को बताया सबसे व्यापक

फ्इउ-यूक्रेन की रिपोर्ट के

मुताबिक, यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि शांति प्रक्रिया को लेकर फिलहाल 4 प्रस्ताव विचाराधीन हैं। इनमें भारत का प्रस्ताव सबसे व्यापक है। उन्होंने कहा,

'हमारे सामने 4 प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक भारत का प्रस्ताव है। पहली बार भारत ने इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा जताई है।'

सिबिहा के मुताबिक, भारत का यह रुख रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के समाधान के लिए नई कूटनीतिक पहल का संकेत है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अपने साझेदारों के सामने पहले ही शांति प्रक्रिया को लेकर अपना नजरिया रख चुका है और वह अलग-अलग युद्धविराम प्रस्तावों पर काम करने के लिए तैयार है।

तुर्की, मिस्र और अमेरिका का भी लिया नाम

सिबिहा ने बताया कि भारत के अलावा तुर्किये और मिस्र की ओर से भी एक प्रस्ताव सामने आया है। दोनों देशों ने काला सागर में अनाज और कृषि से जुड़े कामों के लिए युद्धविराम का सुझाव दिया है।

इसके अलावा एक प्रस्ताव अमेरिका की ओर से आया है। इसमें ऊर्जा क्षेत्र में युद्धविराम की बात कही गई है। ऊर्जा युद्धविराम का मुद्दा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत में भी सामने आया था।

पुतिन ने भी की थी पीएम मोदी की पहल की तारीफ

भारत की भूमिका को लेकर रूस की तरफ से भी सकारात्मक संकेत पहले सामने आ चुके हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास यूक्रेन संघर्ष के आपसी समाधान को लेकर 'बहुत अच्छे विचार' हैं और वह हर मुलाकात में युद्ध खत्म करने का मुद्दा उठाते हैं। पुतिन ने गुरुवार को वार्षिक वाल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब की बैठक में यह बात कही। सरकारी समाचार एजेंसी ळअरर के अनुसार, पुतिन ने कहा कि मोदी उन विश्व नेताओं में शामिल हैं, जो रूस के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार यूक्रेन संघर्ष खत्म करने से जुड़े सवाल उठाते हैं।

'मोदी हर मुलाकात में उठाते हैं युद्ध खत्म करने का मुद्दा'

पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी उनके साथ होने वाली हर बैठक में इन मुद्दों को उठाते हैं और इसमें गहरी रुचि लेते हैं। रूसी राष्ट्रपति के मुताबिक, मोदी के पास ऐसे 'बहुत अच्छे विचार' हैं, जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान तलाशने में मदद कर सकते हैं। पुतिन के इस बयान के बाद यूक्रेन की ओर से भारत को पहली बार सक्रिय मध्यस्थ की भूमिका के लिए तैयार बताए जाने की बात सामने आई है। इससे भारत की कूटनीतिक भूमिका को लेकर रूस और यूक्रेन से आए बयानों के बीच एक अहम कड़ी दिखाई देती है।

पुतिन ने भारत की विविधता की भी तारीफ की

वाल्दाई फोरम में पुतिन ने भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अपने आकार और विविधता के कारण हैरान करने वाला देश है। पुतिन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें कहा था कि भारत की करीब 1.5 अरब आबादी में लगभग 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी स्थानीय भाषाएं बोलते हैं। इसके बावजूद सभी लोग एक साथ रहते हैं। पुतिन ने इसे भारत की खासियत बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति यह दिखाती है कि विविधता और एकता साथ-साथ कैसे रह सकती हैं।

इफ्कउर से पहले मोदी-पुतिन की हुई थी बातचीत

पिछले महीने नई दिल्ली में होने वाले इफ्कउर शिखर सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच बातचीत हुई थी। इस दौरान पुतिन ने मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति और शांति से जुड़ी चल रही पहलों की जानकारी दी थी। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है और इसे खत्म करने के लिए कई देशों की ओर से अलग-अलग समय पर कूटनीतिक प्रयास किए गए हैं। भारत भी लगातार बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान की जरूरत पर जोर देता रहा है।

रूस ने भारत की शांति कोशिशों का किया स्वागत

पीएम मोदी और पुतिन की बातचीत से कुछ दिन पहले ही क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था कि रूस यूक्रेन संघर्ष खत्म करने के लिए भारत की किसी भी शांति पहल का स्वागत करेगा। पेस्कोव के मुताबिक, मॉस्को की रणनीति भी बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान खोजने के भारत के रुख के करीब है। ऐसे में यूक्रेन के विदेश मंत्री का भारत की मध्यस्थता संबंधी बयान दोनों देशों के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लखनऊ के दर्शकों को भा रही 'प्रेम कीटाणु', वीर पहाड़िया की एक्टिंग की हो रही तारीफ

फिल्म 'प्रेम कीटाणु' आज यानी 2 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है. फिल्म में वीर पहाड़िया लीड रोल में नजर आ रहे हैं. आइए जानते हैं कि लखनऊ के दर्शकों को फिल्म कैसी लगी.

फिल्म 'प्रेम कीटाणु' आज, 2 अक्टूबर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. इस फिल्म को अपूर्व सिंह कार्की ने डायरेक्ट किया है और ये एक कॉमेडी-रोमांस ड्रामा फिल्म है. इसमें वीर पहाड़िया, आफिया सैयद, अपारशक्ति खुराना, राकेश बेदी और निखिल विजय जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं.

कॉलेज लाइफ पर बनी इस फिल्म में प्यार, दोस्ती, परिवार और हल्की-फुल्की कॉमेडी का तड़का देखने को मिलता है. आइए जानते हैं कि इस फिल्म को लोग किताना पसंद कर रहे हैं. लखनऊ के दर्शकों ने फिल्म का शानदार बताया है.

लखनऊ के दर्शकों को भा रही 'प्रेम कीटाणु'

दर्शक निधी ने कहा, 'बहुत अच्छी फिल्म है. वीर पड़ाड़िया का रोल भी शानदार है. उनकी लव स्टोरी काफी दिलचस्प है. दर्शक ने फिल्म को 5 में से 5.7 की रेटिंग दी है.'

लखनऊ के दर्शकों को भा रही 'प्रेम कीटाणु', वीर पहाड़िया की एक्टिंग की हो रही तारीफ

दर्शक विनीता ने कहा, 'मुझे फिल्म बहुत अच्छी लगी. फिल्म में कॉमेडी है. इमोशनल सीन्स है. वीर

पहाड़ाया और आफिया सैयद की लव स्टोरी बहुत शानदार लगी.' वहीं जब दर्शकों से पूछा गया कि अजय देवगन की 'दृश्यम 3' और ये फिल्म एक साथ रिलीज हुए इसपर क्या है तो उन्होंने कहा, 'सही फैसला है मैं तो संतुष्ट हूं. इसमें जो प्रेम कहानी बनाई है वो बहुत अच्छी लगी मुझे.' उन्होंने फिल्म को 5 में से 5 स्टार दिए हैं.

लखनऊ के दर्शकों को भा रही 'प्रेम कीटाणु', वीर पहाड़िया की एक्टिंग की हो रही तारीफ

दर्शक स्वास्तिका ने कहा, 'बेस्ट मूवी है. इसमें एंटरटेनमेंट भी है. वीर पहाड़ाया की परफॉर्मेंस भी शानदार है. वो अपने करियर की परेशनी से जूझ रहे हैं.' दर्शक ने फिल्म को 5 स्टार दिए.

लखनऊ के दर्शकों को भा रही 'प्रेम कीटाणु', वीर पहाड़िया की एक्टिंग की हो रही तारीफ

दर्शक आराध्या ने कहा, 'वीर पहाड़ाया की परफॉर्मेंस बहुत अच्छी थी. फिल्म काफी एंटरटेनिंग है. फिल्म को 4.5 रेटिंग दूंगी.'

लखनऊ के दर्शकों को भा रही 'प्रेम कीटाणु', वीर पहाड़िया की एक्टिंग की हो रही तारीफ

'प्रेम कीटाणु' की कहानी

बता दें, फिल्म 'प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया विशाल का किरदार निभा रहे हैं. वहीं एक्ट्रेस आफिया सैयद सुहानी का रोल प्ले कर रही हैं और अपारशक्ति खुराना रणजीत सिंह के किरदार में नजर आ रहे हैं.

इसकी कहानी की शुरूआत कॉलेज एडमिशन के समय होती है. 23 साल के बीटेक ग्रेजुएट विशाल ठाकुर (वीर पहाड़िया) और सुहानी (आफिया सैयद) की पहली मुलाकात ही नोकझोंक में बदल जाती है. इसके बाद दोनों अलग हो जाते हैं. फिल्म में आगे लव ट्रायंगल भी दिखाया गया है.